Microfinance Institutions Network (MFIN)

Fusion Case Study

Coverage Report

March 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Agnibann	Print
2.	Raj Express	Print
3.	Swadesh	Print
4.	Dainik Purnviram	Print
5.	Dainik Jagran	Print
6.	Yug Pradesh	Print

Publication	Agnibann
Edition	Bhopal
Date	10th March, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेंस से जुड़ी 16 राज्यों की महिला उद्यमी

भोपाल

श्रीमती अंजू खो, भोपाल का परिवार आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था,क्योंकि उनके पति का वेतन सीमित था। तभी पड़ोस की महिला उद्यमियों को देखकर अंजू भी अपना काम शुरू करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर और चूड़ी की दुकान शुरू की। कारोबार बढ़ाने के लिए उन्हें निवेश की जरूरत थी। तभी वे अपने क्षेत्र में काम करने वाले एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी-माइक्रोफाइनंस इंस्टीट्यूशन फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के संपर्क में आई। उन्होंने अपना पहला ऋण लेकर आर्टिफिशियल ज्वैलरी और कॉस्मेटिक खरीदे, इस तरह ब्यूटी पार्लर का काम बढ़ा लिया। अब वे अपनी आय से अपने परिवार की मदद कर पाती हैं। फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस अब तक 10 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पैदा कर चुका है। कंपनी 16 राज्यों के 45 हजार से अधिक गांवों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने तथा उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

Publication	Raj Express
Edition	Bhopal
Date	10th March, 2019
Page No.	09

माइक्रोफाइनेंस का महिला उद्यमियों को सहयोग

नई दिल्ली। श्रीमती अंजू, भोपाल का परिवार आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था, क्योंकि उनके पति का वेतन सीमित था। तभी पड़ोस की महिला उद्यमियों को देखकर अंजु भी अपना काम शुरू करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर और चूड़ी की दुकान शुरू की। कारोबर बढ़ाने के लिए उन्हें निवेश की जरूरत थी। तभी वे अपने क्षेत्र में काम करने वाले एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी-माइक्रोफाइनंस इंस्टीट्यूशन फ्यूजन माइक्रोफाइनेन्स के संपर्क में आई। उन्होंने अपना पहला ऋण लेकर आर्टीफिशियल ज्वैलरी और कॉस्मेटिक खरीदे, इस तरह ब्यूटी पार्लर का काम बढ़ा लिया। अब वे अपनी आय से अपने परिवार की मदद कर पाती हैं। फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस अब तक 10 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पैदा कर चुका है। कंपनी 16 राज्यों के 45 हजार से अधिक गांवों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने तथा उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

Publication	Swadesh
Edition	Bhopal
Date	10th March, 2019
Page No.	10

सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत

नई दिल्ली • स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनैंस उद्योग के संगठन माइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनैंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैय्या करने की दिशा में कार्यरत हैं एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतें को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवीं रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होतें है।

Publication	Dainik Purnviram
Edition	Bhopal
Date	10th March, 2019
Page No.	07

मप्र में माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

भोपाल। अंजू खो भोपाल, मप्र में अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती हैं। उनका परिवार आर्थिक संकट के दौर से गुज़र रहा था, क्योंकि उनके पति का वेतन सीमित था और घर के खर्चे दिन-बदिन बढ़ते जा रहे थे। तभी पड़ौस की महिला उद्यमियों को देखकर अंजु भी अपना काम शुरू करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर और चूड़ी की दुकान शुरू की। धीरे धीरे उनका कारोबार अच्छा चलने लगा और ग्राहक नई-नई चीज़ों की मांग करने लगे। कारोबर बढ़ाने के लिए उन्हें निवेश की ज़रूरत थी। तभी वे अपने क्षेत्र में काम करने वाले एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी-माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- फ्यूज़न माइक्रोफाइनेन्स के संपर्क में आई।

Publication	Dainik Jagran
Edition	Bhopal
Date	11th March, 2019
Page No.	03

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

इंदौर, जेएनएन। श्रीमति अंजू खो मध्यप्रदेश में अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती हैं। उनका परिवार आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था, क्योंकि उनके पति का वेतन सीमित था और घर के खर्चे दिन-बदिन बढ़ते जा रहे थे। तभी पड़ौस की महिला उद्यमियों को देखकर अंजु भी अपना काम शुरू करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर और चूड़ी की दुकान शुरू की। धीरे धीरे उनका कारोबार अच्छा चलने लगा और ग्राहक नई-नई चीज़ों की मांग करने लगे। कारोबर बढ़ाने के लिए उन्हें निवेश की ज़रूरत थी। तभी वे अपने क्षेत्र में काम करने वाले एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी-माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के संपर्क में आई। उन्होंने अपना पहला ऋण लेकर आर्टीफिशियल ज्वैलरी और कॉस्मेटिक खरीदे, इस तरह ब्यूटी पार्लर का काम बढ़ा लिया।

Publication	Yug Pradesh
Edition	Bhopal
Date	11th March, 2019
Page No.	09

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

भोपाल। मध्यप्रदेश, मार्च 2019: श्रीमति अंजू खो भोपाल, मध्यप्रदेश में अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती हैं। उनका परिवार आर्थिक संकट के दौर से गुज़र रहा था, क्योंकि उनके पति का वेतन सीमित था और घर के खर्चे दिन-बदिन बढ़ते जा रहे थे। तभी पड़ौस की महिला उद्यमियों को देखकर अंजु भी अपना काम शुरू करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर और चूड़ी की दुकान शुरू की। धीरे धीरे उनका कारोबार अच्छा चलने लगा और ग्राहक नई-नई चीज़ों की मांग करने लगे। कारोबर बढ़ाने के लिए उन्हें निवेश की ज़रूरत थी। तभी वे अपने क्षेत्र में काम करने वाले एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी-माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- फ्यूज़न माइक्रोफाइनेन्स के संपर्क में आई। उन्होंने अपना पहला ऋण लेकर आर्टीफिशियल ज्वैलरी और कॉस्मेटिक खरीदे, इस तरह ब्यूटी पार्लर का काम बढ़ा लिया। पहला ऋण चुकाने बाद उन्होंने दूसरा ऋण लिया और अपने पार्लर में डिज़ाइनर कपड़े रखने लगीं। उन्होंने अपने पार्लर को महिलाओं के लिए वन-स्टॉप शॉप बनाने का फैसला लिया। पिछले सालों के दौरन उन्होंने अपना कारोबार सफलतापूर्वक बढ़ा लिया है और अब वे अपनी आय से अपने परिवार की मदद कर पाती हैं। अंजु मध्यप्रदेश में ऐसी कई महिलाओं में से एक हैं जो फ्यूज़न के सहयोग से आत्मनिर्भर हो गई हैं और उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में योगदान दिया है। अपने उपभोक्ताओं को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराकर फ्यूज़न माइक्रोफाइनेन्स अब तक 10 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पैदा कर चुका है। कंपनी 16 राज्यों के 45 हज़ार से अधिक गांवों में सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने तथा उनके सपनों को साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनैंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनैंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनैंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैय्या करने की दिशा में कार्यरत हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं।